वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा लाह की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका सृजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक :- 18.10.2019

वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक एवं समुह समन्वयक (अनुसंधान) के निर्देशन में दिनांक 18.10.2019 को वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत लाह वीज फार्म चंदवा में लाह की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका सृजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया| कार्यक्रम का प्रारम्भ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया| इस अवसर पर संस्थान के डा. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने लाह उत्पादन के लिए पारम्परिक पोषक वृक्षों के अतिरिक्त नये खोज किए गए पोषक वृक्षों/झड़ियों पर लाह उत्पादन की आवश्यकता एवं तकनीकी पर चर्चा की। ज़िला परिषद सदस्य श्रीमती अनिता देवी ने किसानों, जनप्रतिनिधियों, छात्रों से परिश्रम कर लाह उत्पादन एवं बांस रोपण कर जीविकोपार्जन के लिए अहवाहन किया एवं समाज सेवी श्री रामयश पाठक ने वनो पर प्रकाश डालते हुए स्वयं को वनोपज की लाभ के लिए प्रोत्साहित भी किया।

श्री एस. एन. वैद्य मुख्य तकनीकी अधिकारी ने फ्लेमेंजिया सेमियालता पौध तैयार करने की तकनीक पर चर्चा की|साथ ही साथ परतिभागियों से फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाह उत्पादन लेने की तकनीक पर चर्चा किया एवं उनके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया| इन्होने लाह प्रष्कृत एवं बिभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग के में भी अवगत कराया|

श्री बी.डी.पंडित ने लाह पोषक वृक्षों की जानकारी एवं समयानुसार उपयुक्त लाह पोषक वृक्षों पर लाह की की खेती करने की वैज्ञानिक तकनीक तथा उन पर होने वाले रोग एवं निदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया| संस्थान के समुह समन्वयक (अनुसंधान) ने प्रतिभागियों को बांस उत्पादन से लेकर बांस के उपयोग तक के वारे में भी चर्चा की|

संस्थान के श्री निसार आलम, श्री बी.डी. पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने प्रतिभागियों को फ्लेमेंजिया सेमियालता प्रदर्शन क्षेत्र का भ्रमण कराया गया एवं उनके प्रश्नों के उत्तर भी वाताये गए| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया| इस कार्यक्रम का संचालन एवं समापन संस्थान के श्री बी.डी. पंडित तकनीकी अधिकारी ने किया| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री बी.डी. पंडित तकनीकी अधिकारी एवं श्री सूरज कुमार तकनीकी सहायक का योगदान रहा।

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

काट छांट की विधि
काट छांट की विभिन्न अवस्थाएँ
लाह नर कीट
लाह मादा कीट
पूर्ण परिपक्व
अवस्था

हाथ द्वारा चढ़ाई का विधि
मशीन द्वारा चढ़ाई का विधि
लाह की उपयोगिता
लाह फसल के मुख्य दुश्मन कीट
(Predators)
Larva(लार्वा)
Crysopa(क्रिसोपा)
लाह फसल के दुश्मन कीट
(Parasites)

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

LAC TRAINING CUM
LAC OPERATION SHED
CHANDWA